राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान
दिसम्बर, 2018

वर्ष 15 **अंक 12**

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशु पालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रैल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पशुरोग पूर्वानुमान दिसम्बर माह, 2018 हेतु प्रस्तुत है

सावधानियां व सुझाव–

1. दिसम्बर माह में तापमान काफो कम हो जाता है जिससे बचाने के लिए पषुओं को रात को छत या छप्पर के नीचे बांध तथा दिन के समय पषु को सूर्य की धूप में बांधे।
2. इस समय पैदा होने वाले नवजात पषुओं को समुचित मात्रा में खीस पिलाएं तथा सर्दी से बचाने हेतु उन्हे बंद कमरे में रखें लेकिन ताजा हवा का आवागमन सुनिष्चित करें।
3. पषुओं को सर्दियों में चारे–बांटे की मात्रा थोड़ी बढ़ा देंव क्योकि सर्दी में उर्जा की आवष्यकता अधिक होती है।
4. पषुओं को लवण–मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बांटे में मिलाकर देवें। गुलाबी सेंधा नमक इस हेतु सर्वोतम माध्यम है।
5. पषुओं को परजीवी नाषक दवा को हर बार बदल–बदल कर उपयोग में ल, जिससे पषुओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ दुग्ध उत्पादन भी बढेगा।
6. यदि किसी पषु में लगातार बुखार, दस्त, नाक से पानी आना जैसे न्यूमोनिया के लक्षण दिखाई दें, तो उस पषु को तुरंत अन्य पषुओं से पृथक कर देवें तथा निकटतम पषु चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें।
7. पषु आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित ही रखें व सूखे चारे की मात्रा मिलाकर दें।
8. यदि खुरपका–मुंहपका, गलघोंटू, पी.पी.आर., फड़किया, छोटी माता, ठप्पा रोग के टीके नहीं लगवाएं हो तो अब लगवा लें।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान – दिसम्बर 2018

पशु रोग	पशु/पक्षी प्रकार	क्षेत्र
पी.पी.आर.	भेड़, बकरी	पाली, सिरोही, कोटा, सीकर, टोंक, बारां, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़, सिरोही, दौसा
खुरपका–मुंहपका रोग	गाय, भैंस, बकरी, भेड़	धौलपुर, सवाईमाधोपुर, अजमेर, अलवर, बारां, बूंदी, हनुमानगढ़, जालोर, नागौर, राजसमन्द, सीकर, टोंक, कोटा, चित्तौडगढ़, बारां, चूरू, बीकानेर, जयपुर
गलघोंटू	भैंस, गाय	जयपुर, भीलवाड़ा, अलवर, दौसा, धौलपुर, सीकर, चित्तौडगढ़, टोंक, भरतपुर, बांसवाड़ा
चेचक/छोटी माता	ऊँट, भेड़, बकरी	बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, हनुमानगढ़, श्रोगंगानगर, पाली, सीकर
लंगड़ा बुखार रोग	गाय, भैंस	चित्तौडगढ, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, नागौर
फेसियोलोसिस	भैंस, गाय, बकरी, भेड़	भरतपुर, कोटा, धौलपुर, डूंगरपुर, सीकर, बून्दी, अलवर, बांसवाड़ा
न्यूमोनिक पाश्चुरेल्लोसिस संक्रमण	गाय, बकरी, भेड	अजमेर, चित्तौडगढ़, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर, झुंझुनू, अलवर, हनुमानगढ़
अश्वों में इन्फ्लुएंजा रोग	घोड़ा	अजमेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, नागौर, सीकर, झुंझुनू, पाली
रानीखेत रोग (Ranikheth disease)	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183, टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री भारत सरकार की सेवार्थ बुक पोस्ट
अंक 15 (12) 2018

सेवा में

.....

.....

.....

प्रेषक –

जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org